पाठ 15

आस-पास की सफाई

मीना के घर के आगे बहता था एक नाला,
कूड़ा–कचड़ा फेंक जिसे लोगों ने भर डाला।

पॉलीथीन, रद्दी कपड़े, और बासी खाना,
क्या जरूरी था उसे नाले में भरते जाना,

रहता हरदम कचड़ों से नाला इतना जाम,
नाली उफनी, पानी फैला, गंदगी फैली तमाम।

समझो भाई बात है इतनी, कचड़ा मत फैलाओ,
जिसमें इनको डाल सको, गड्ढा एक बनाओ।

आस–पास की साफ सफाई है सबकी जिम्मेदारी
कूड़ेदान के उपयोग में ही है अपनी समझदारी।

1. हम सबको अपने आस–पास की सफाई क्यों करनी चाहिए?

____

____

____

2. कूड़े–कचरे को यहाँ–वहाँ फेंकने से क्या–क्या नुकसान होता है?

____

____

____

3. हम सबलोगों के घरों में बहुत प्रकार की बेकार सामग्री या चीज़ें होती हैं। इन बेकार की अनुपयोगी सामग्री की एक सूची बनाइए,जिसे हम बाहर फेंकते हैं।

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

4. आप देखते होंगे कि कुछ कचड़ा आसानी से सड़–गल जाता है और कुछ कचड़ा बहुत दिनों तक नहीं सड़ता है। इसकी भी एक सूची बनाइए।

सड़नेवाला कचड़ा	नहीं सड़नेवाला कचड़ा
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------

5. आप अपने घर से निकलने वाले कूड़े–कचड़े का निपटारा कहाँ करते है ?

____

____

6. कूड़े–कचड़े के निपटारे का सही तरीका क्या है ?

____

____

7. क्या आपने कूड़े–कचड़े के ढेर से कुछ लोगों को विभिन्न चीज़ों को इक्ट्ठा करते देखा है ? उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि वे क्या–क्या इकट्ठा करते हैं?

--------------- --------------- ---------------

--------------- --------------- ---------------

8. इकट्ठा करने के बाद उन वस्तुओं का क्या किया जाता है? अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।

____

____

____

____

9. क्या इन कचड़ों को पुन: उपयोग के लायक बनाया जा सकता है ?

____

____

10. कौन–कौन सी ऐसी सामग्री है, जिससे पुनः अन्य चीज़ें बनाई जा सकती हैं?

____

____

11. आप अपने आस–पास एवं विद्यालय को साफ–सुथरा रखने हेतु कौन–कौन से कार्य करेंगे ? लिखिए।

____

____

____

12. कुछ खास पर्व–त्योहार के अवसर पर साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। उस समय कूड़ा–कचड़ा कम दिखाई देता है। उनके नाम लिखिए।

____

____

कूड़े–कचरे का नियंत्रण

- कचड़ा उत्पन्न करनेवाली चीज़ों का कम उपयोग।
- बाजार से सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग।
- दुबारा उपयोग में लाए जा सकनेवाली चीजों का पुनः उपयोग।
- गलने–सड़नेवाले कूड़–कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना।
- घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना।
- पुनः चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथिन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना।
- सब्ज़ियों के छिलके, बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना।

बच्चों ने तय किया कि हम अपने घर, गली, एवं विद्यालय की सफाई मिल–जुलकर करेंगे।